एफ.एच.डी.–02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई, 2018 एवं जनवरी, 2019 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : एफ.एच.डी.–02

हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम –02

मनविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली 110068

हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम–02
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एफ.एच.डी.–02

प्रिय छात्र/छात्राओ!
'हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम–02' में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। यह पाठ्यक्रम कुल चार क्रेडिट का है।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इस पाठ्यक्रम में संप्रेषण के विविध पक्षों से आपको परिचित कराया गया है, इस अध्ययन से आप संप्रेषण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा इस पाठ्यक्रम में डायरी, पत्र, रिपोर्ताज, यात्रा वृत्तांत और जीवनी जैसी साहित्यिक विधाओं से भी आपको परिचित कराया गया है। सत्रीय कार्य से आप यह जाँच सकेंगे कि आपने पाठ्यक्रम में प्रस्तुत सामग्री को कितना समझा है।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें।

4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : ....
नाम : ....
पता : ....
....
....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ....
सत्रीय कार्य कोड : ....
अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .... दिनांक:...

---

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।

7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2018 सत्र के लिए : **31 मार्च, 2018**
जनवरी 2019 सत्र के लिए : **30 सितंबर, 2019**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 350–400 शब्दों में लिखने हैं तथा लघु निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर 150–200 शब्दों में देने हैं। इसके अलावा तीसरी श्रेणी के प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

4. **विशेष** : अपने उत्तर की फोटो प्रति / कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 4 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एफ.एच.डी.–02
सत्रीय कार्य कोड : एफ.एच.डी.–02/टी.एम.ए./2018-19
कुल अंक : 100

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) सम्प्रेषण के विविध रूपों का विस्तार से परिचय दीजिए। 15
(ख) वर्णनात्मक और आख्यानपरक लेखन पर प्रकाश डालिए। 15
(ग) प्रभावी लेखन क्या? तर्कपूर्ण विवेचना कीजिए। 10
(घ) रिपोर्ट लेखन की प्रक्रिया का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 10

खण्ड 'ख'

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर 150–200 शब्दों में दीजिए। 4×5=20
(क) आंगिक भाषा का परिचय दीजिए।
(ख) सार लेखन पर टिप्पणी कीजिए।
(ग) डायरी की प्रमुख विशेषतायें बताइये।
(घ) रिपोर्ताज क्या है? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड 'ग'

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(क) 'प्रदूषणः एक समस्या' विषय पर निबंध लिखिए। 5
(ख) पुनः रचना की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए। 5
(ग) अपनी कॉलोनी में व्याप्त गन्दगी की समस्या को दूर करने के लिए नगर निगम को पत्र लिखिए। 5
(घ) रिपोर्ट (प्रतिवेदन) पर टिप्पणी कीजिए। 5
(ड़) प्रमुख यात्रा–वृत्तांतों का परिचय दीजिए। 5

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर का चुनाव कीजिए : 5×1=5

(क) ऐतिहासिक विकासक्रम में लिखित भाषा का विकास बोलचाल की भाषा के –
(i) पहले हुआ है (ii) बाद में हुआ है
(iii) साथ–साथ हुआ है (iv) इनमें कोई संबंध नहीं

(ख) रचना के प्रमुख तीन प्रकार हैं?
(i) वर्णनात्मक लेखन (ii) आख्यानपरक लेखन
(iii) जीवनी (iv) तार्किक लेखन

(ग) भाव पल्लवन के संबंध में कौन सा कथन गलत है –
(i) सुगठित अति संक्षिप्त विचार को विस्तार से प्रस्तुत किया जाता है।
(ii) किसी विचार अथवा भाव का विस्तृत विवेचन किया जाता है।
(iii) मूल एवं गौण दोनों भावों को लिया जाता है।
(iv) मूल भाव की आलोचना की जाती है।

(घ) निम्नलिखित में से कौन–सी विशेषता डायरी पर लागू नहीं होती –
(i) अपने अनुभवों के बारे में लिखना। (ii) प्रकाशन के लिए नहीं लिखना ।
(iii) कल्पना के सहारे लिखना ; (iv) आत्मावलोकन करना।

(ड.) निराला की साहित्य साधना के लेखक हैं–
(i) फणीश्वरनाथ रेणु (ii) अज्ञेय (iii) रामविलास शर्मा (iv) भारत भूषण अग्रवाल